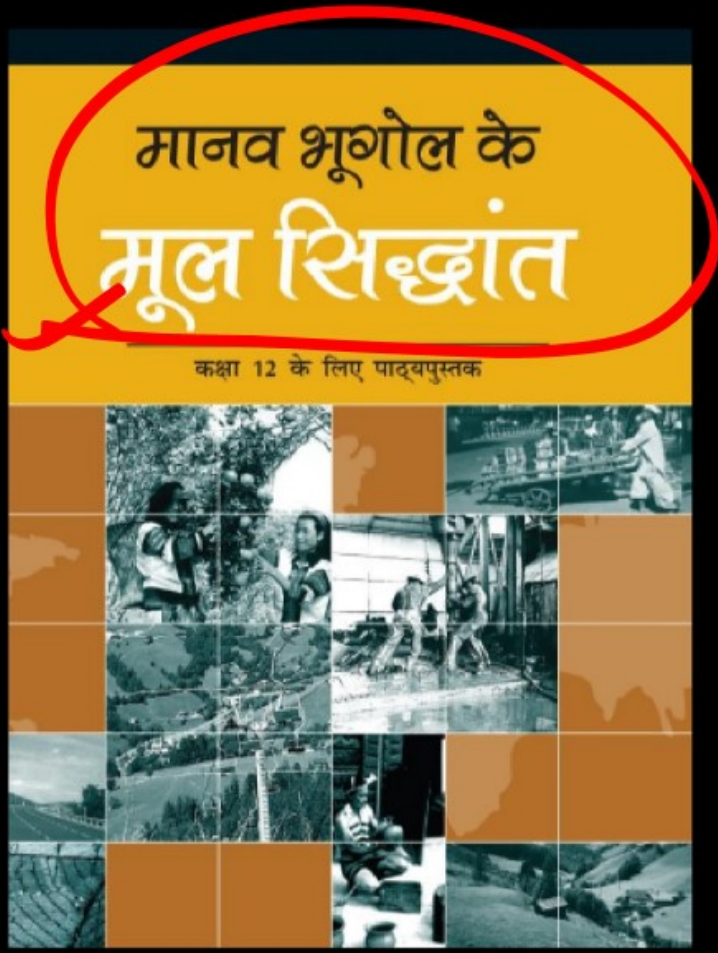

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
12th GEOGRAPHY
ई-पाठशाला
मानव भूगोल
प्रकृति एवं विस्तार क्षेत्र
ONE SHOT
LIVE 05 OCT 2026 || 5:00 PM

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

11th कक्षा

भौतिक भूगोल

- महाद्वीप
- महासागर
- पहाड़, पठार, मैदान
- नदियां
- जलवायु
- मिट्टी
- वन

12th कक्षा

मानव भूगोल

- जनसंख्या
- आर्थिक क्रियाएँ
  1. प्राथमिक
  2. द्वितीयक
  3. तृतीयक
- परिवहन
- संचार
- व्यापार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूगोल (Geography) :

भूगोल शब्द सर्वप्रथम यूनानी विद्वान-
इरेटोस्थनीज द्वारा दिया गया।



इरेटोस्थनीज

Geography (भूगोल) शब्द
इरेटोस्थनीज
(यूनानी)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जनसंख्या घनत्व →

प्रति $1 km^2$ पर निवास करने वाली जनसंख्या के अनुपात को जनघनत्व कहते है।

→ लिंगानुपात → प्रति 1000 पुरुषो पर महिलाओ की संख्या को लिंगानुपात कहते है।

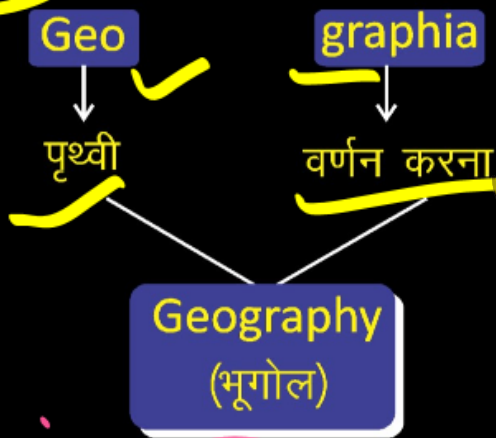
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पृथ्वी गोल।

शाब्दिक अर्थ : भू-गोल अर्थात् पृथ्वी गोल है।

अंग्रेजी में *Geography* - जिसकी उत्पत्ति ग्रीक भाषा के *Geographia* से हुई है।



भूगोल के जनक : हिकेटियस

Geography (English)
=
Geographia
=
Geo + graphia
↓ ↓
पृथ्वी वर्णन करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भूगोल का जनक → हिप्पोक्रेटस



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूगोल क्या है?

- एक अध्ययन क्षेत्र के रुप में भूगोल समाकलनात्मक, आनुभाविक एवं व्यावहारिक है।
- भूगोल का मुख्य सरोकार पृथ्वी को मानव के घर के रुप में समझना।
- भूगोल द्वैतवाद पर आश्रित जैसे – प्रादेशिक भूगोल या क्रमबद्ध भूगोल, मानव भूगोल या भौतिक भूगोल, निश्चयवाद या संभववाद आदि।
- मानव और पर्यावरण के बीच अन्तर-संबंधों का अध्ययन।

① समाकलनात्मक ② आनुभाविक ③ व्यावहारिक

मानव व पर्यावरण के बीच अन्तर-संबंधों का अध्ययन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूगोल की दो प्रमुख शाखाएँ :

भूगोल

भौतिक भूगोल + मानव भूगोल

भौतिक भूगोल

भौतिक पर्यावरण का अध्ययन

उदाहरण : भू आकृति, जल, प्राकृतिक वनस्पति, मृदा, जलवायु आदि।

मानव भूगोल

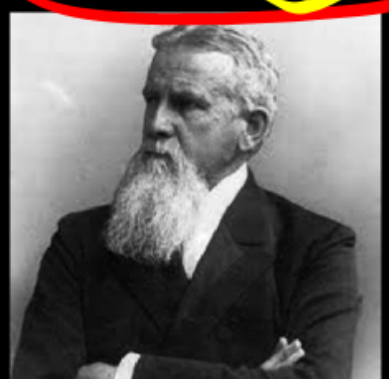
मानवीय तथ्यों का अध्ययन

उदाहरण : गृह, नगर, सड़कों व रेलमार्गों का जाल, उद्योग, कृषि, व्यापार आदि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मानव भूगोल का उद्भव - 18वीं शताब्दी से माना जाता है।
- आधुनिक मानव भूगोल के जन्मदाता – फेडरिक रेटजेल (जर्मन भूगोलवेता)
- पुस्तक : एन्थ्रोपोज्योग्राफी



मानव भूगोल का उद्भव 18वीं शताब्दी से माना जाता।

Geography → Eng.

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल परिभाषाएँ

- "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संश्लेषित अध्ययन है।"
  रैटजेल

ऊपर दी गई परिभाषा में संश्लेषण पर जोर दिया गया।



मानव समाज व धरातल के बीच संश्लेषित अध्ययन
॥ रैटजेल ॥

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।"

  एलन सी. सेंपल

- सेंपल की परिभाषा में संबंधों की गत्यात्मकता मुख्य शब्द है।



mg

अस्थिर पृथ्वी
परिवर्तनशील
= क्रियाशील मानव
परिवर्तनशील सम्बंधों

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

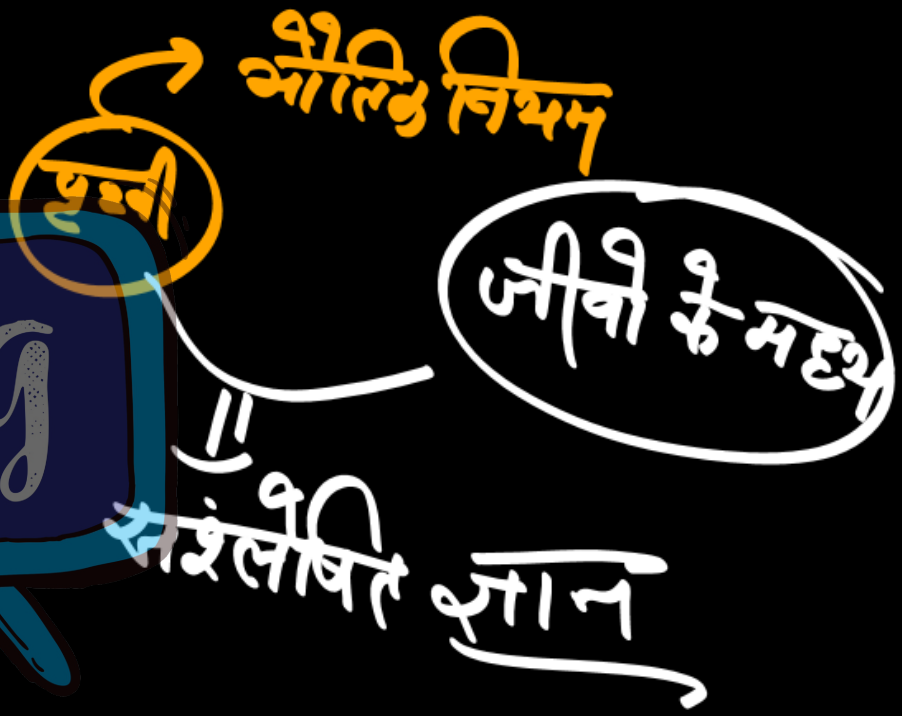
"हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा इस पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक विश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना।"

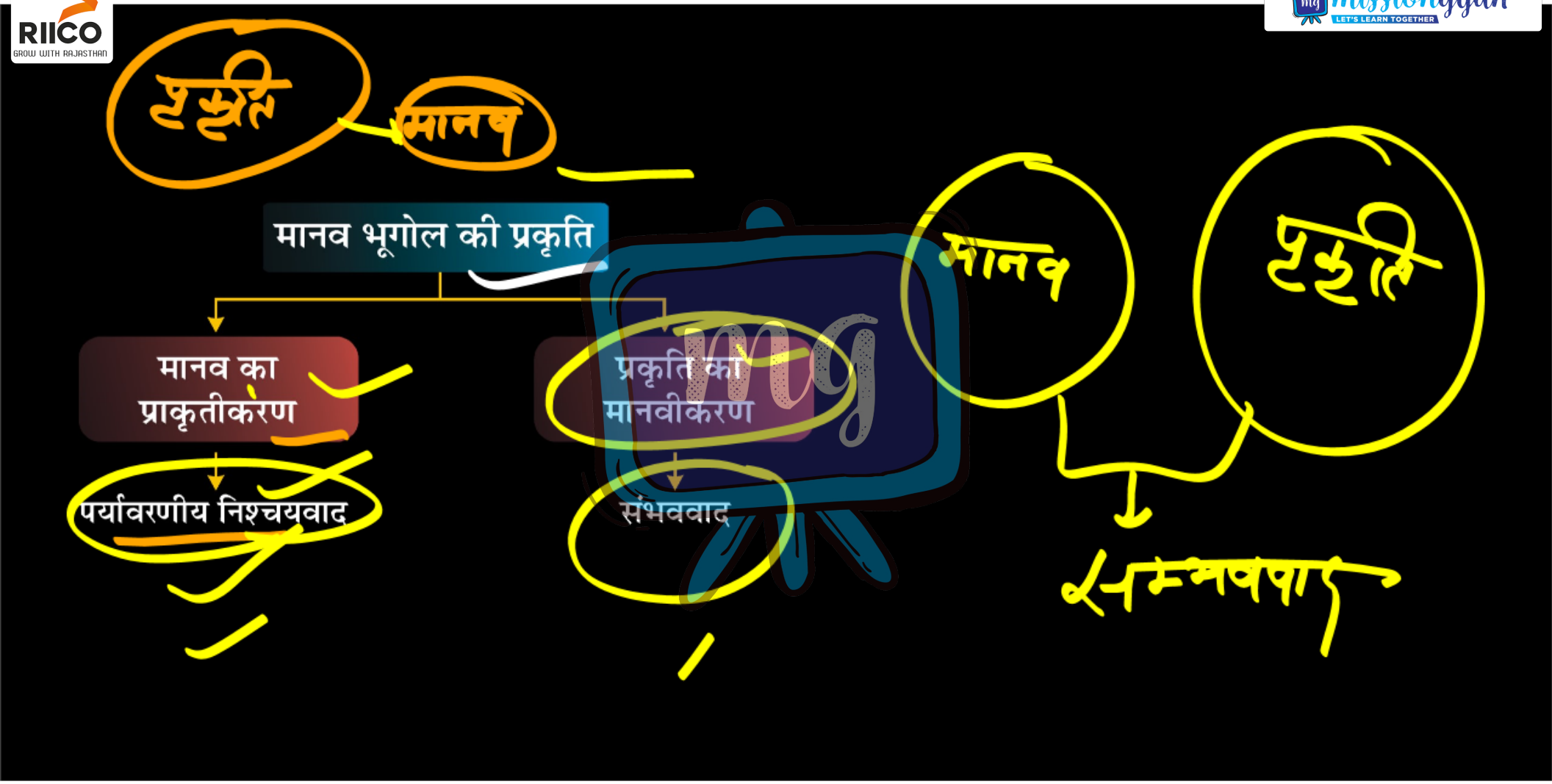
– पॉल विडाल-डी-ला-ब्लाश

× æÙ ß Ö ê æÑ Â ßß è ¥ æÑ U× Ù éØ · ê ¥ Ì à Ø Sææ

· ¤è ° · ¤ Ù Ø è â : ¤Ë Â Ù æ Â §Ì è · ¤Ú Ù æ ã Ñ






प्रकृति
मानव
मानव भूगोल की प्रकृति
मानव का प्राकृतीकरण
प्रकृति का मानवीकरण
पर्यावरणीय निश्चयवाद
संभववाद
मानव
प्रकृति
समन्वयवाद

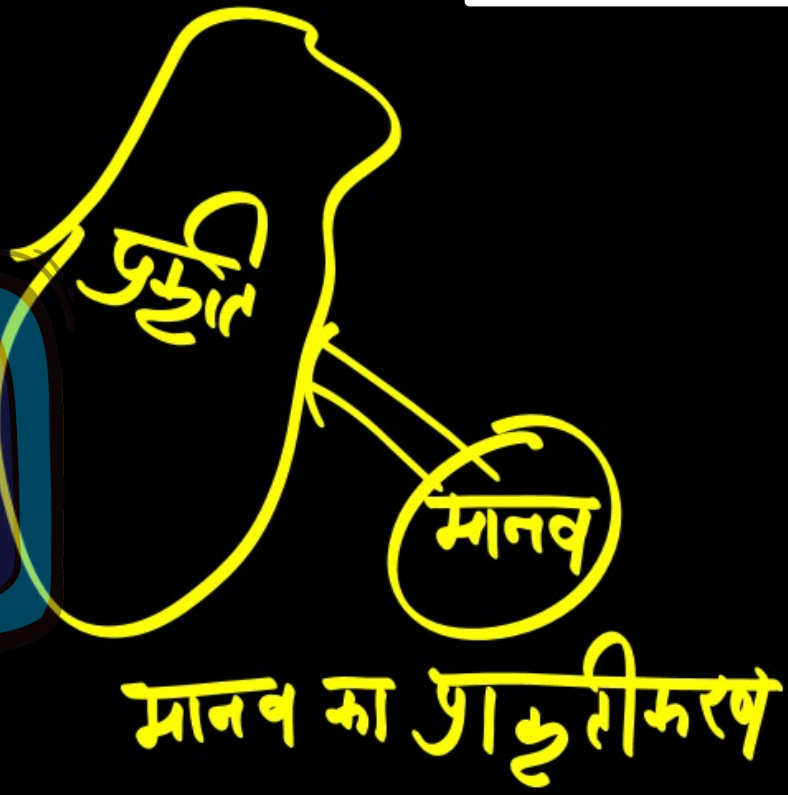
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव का प्राकृतीकरण :

- मनुष्य का प्रकृति के साथ अनुकूलन स्थापित करना अर्थात् प्रकृति के अनुसार चलना।
- मनुष्य अपने प्रौद्योगिक की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्यक्रिया करता है।
- प्रौद्योगिक किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है।

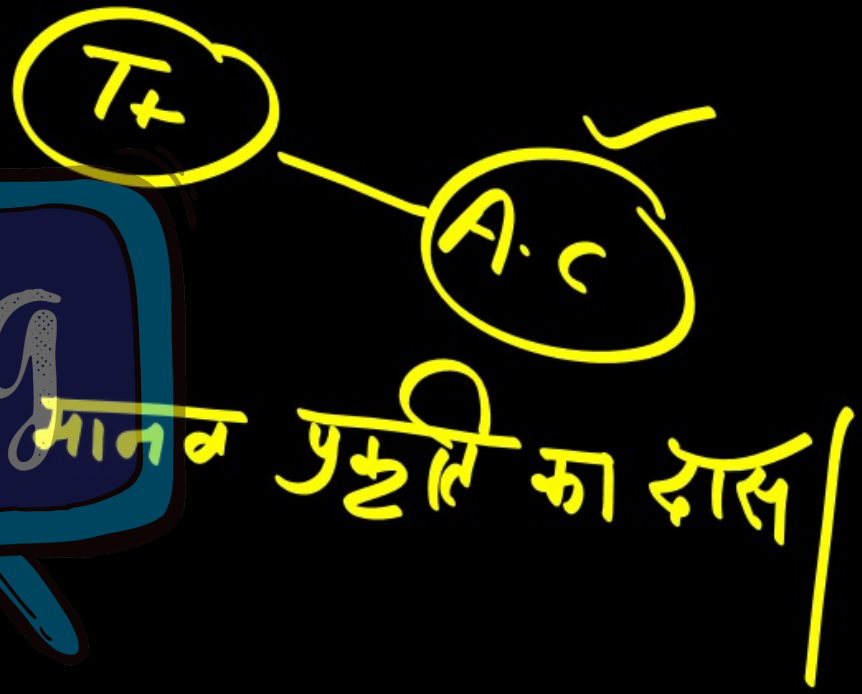




RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

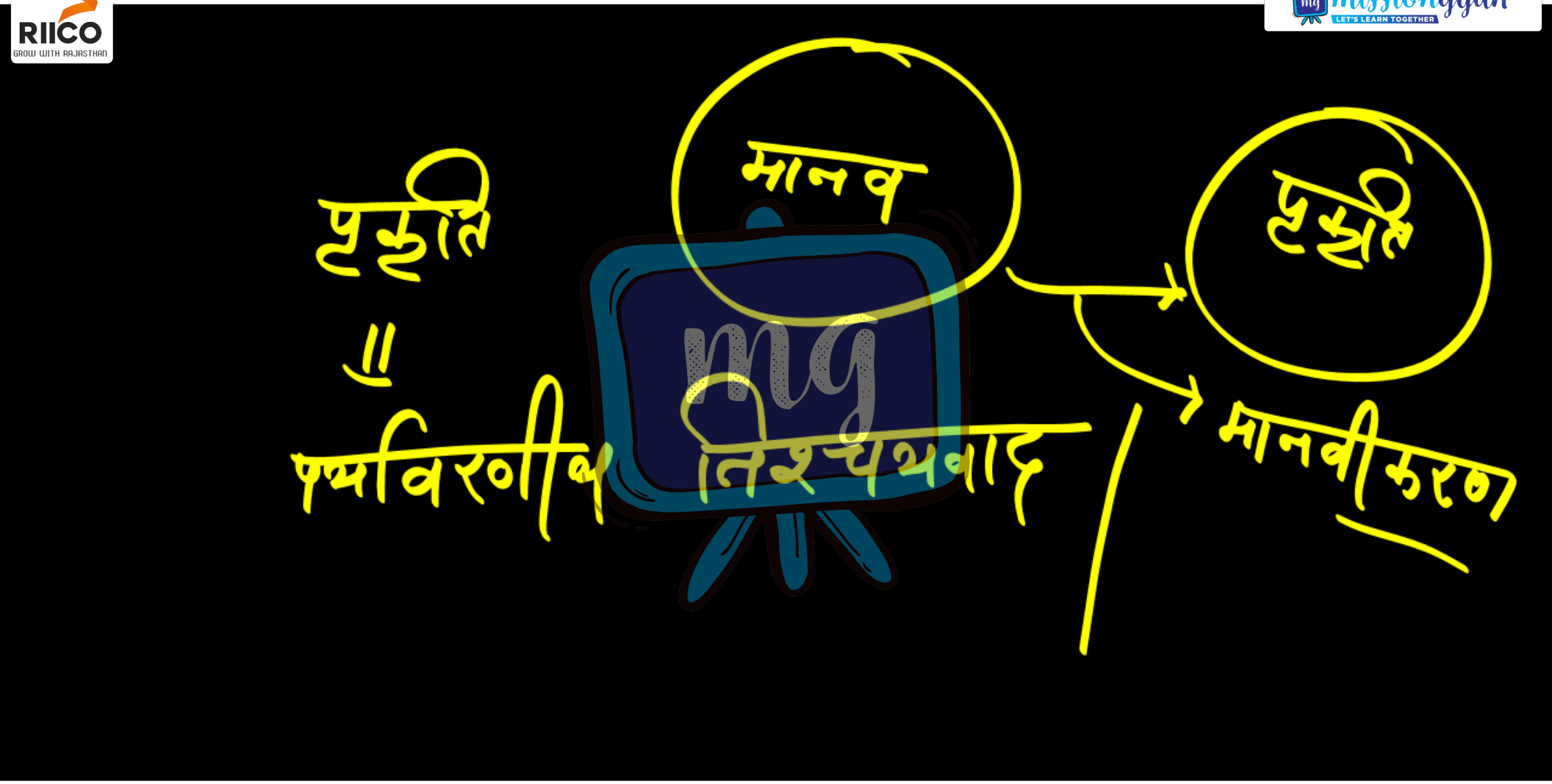
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है और प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।
- आदिम मानव प्रकृति को सुनता था, उसकी प्रचंडता से भयभीत होता था और उसकी पूजा करता था।
- मानव प्रकृति का दास था।
- आदिम मानव समाज और प्रकृति की प्रबल शक्तियों के बीच की अन्योन्यक्रिया को 'पर्यावरणीय निश्चयवाद' कहा जाता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रकृति का मानवीकरण :

- मानव की प्रकृति पर विजय अर्थात् प्रकृति पर सुविधानुसार नियंत्रण।
- पर्यावरण से प्राप्त संसाधनों के द्वारा मानव संभावनाओं को जन्म देता है।



मानव की प्रकृति पर विजय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मानव द्वारा की जाने वाली क्रियाओं से अनेक प्रकार के सांस्कृतिक भ-दृश्यों की रचना होती है।
- मानवीय क्रियाओं की छाप सर्वत्र है जैसे- खेत, फलोद्यान, बन्दरगाह, समुद्री मार्ग तथा अंतरिक्ष में उपग्रह इत्यादि।
- प्रकृति अवसर प्रदान करती है और मानव उनका उपयोग करता है तथा धीरे-धीरे प्रकृति का मानवीकरण हो जाता है तथा प्रकृति पर मानव प्रयासों की छाप पड़ने लगती है। इससे भूगोल में एक नवीन विचारधारा का जन्म हुआ अर्थात् 'संभववाद'।

mg

संभववाद

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल की विचारधाराएँ

नियतिवादी/ निश्चयवादी विचारधारा

प्रतिपादक : फ्रेडरिक रेटजेल

प्रकृति श्रेष्ठ है।

मनुष्य प्रकृति का दास है।

समर्थक : एलन सी. सेम्पल, हम्बोल्ट, कार्ल रिटर।

संभववादी विचारधारा

प्रतिपादक : पॉल विडाल डी. ला. ब्लाश मनुष्य प्रकृति का दास नहीं है।

प्रकृति में संभावनाएँ विद्यमान है।

समर्थक : फैब्रे अल्बर्ट डिमंजिया, कार्ल सावर।

प्रकृति का प्राकृतिकरण।

प्रकृति का मानवीकरण।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नव-निश्चयवाद / रूको और जाओ निश्चयवाद

प्रतिपादक – ग्रिफिथ टेलर



निश्चयवाद

संभववाद

मध्यम मार्ग

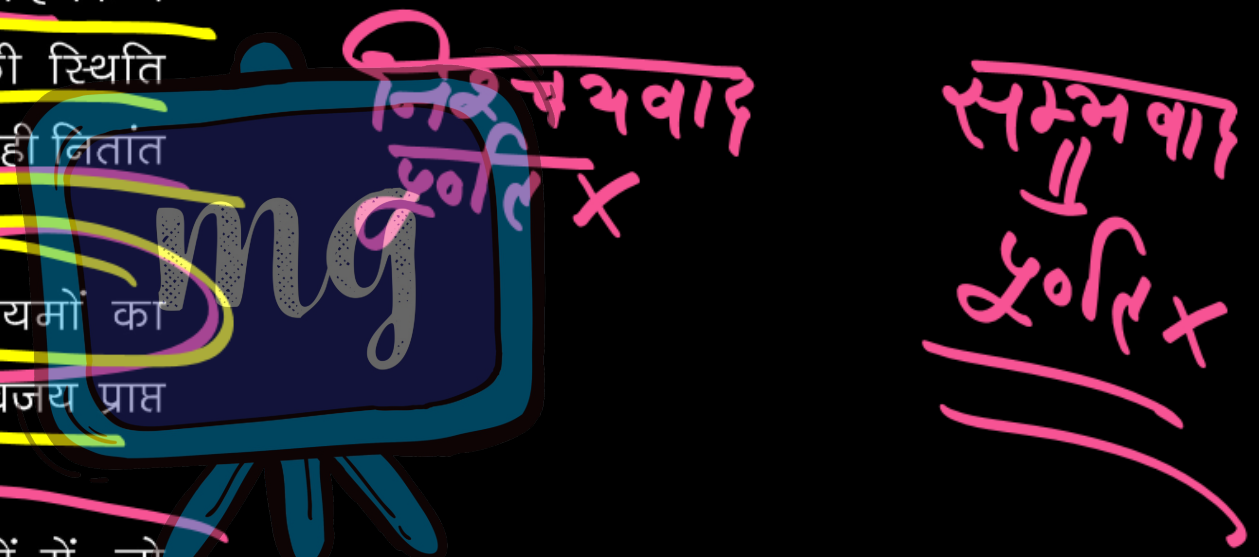
नव निश्चयवाद

मानवीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नव-निश्चयवाद की संकल्पना दर्शाती है कि न तो यहाँ नितांत आवश्यकता की स्थिति (पर्यावरणीय निश्चयवाद) है और न ही नितांत स्वतंत्रता (संभववाद) की दशा है।
- इसका अर्थ है कि प्राकृतिक नियमों का अनुपालन करके हम प्रकृति पर विजय प्राप्त कर सकते हैं।
- इसका तात्पर्य है कि इन सीमाओं में, जो पर्यावरण की हानि न करती हो, संभावनाओं को उत्पन्न किया जा सकता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समय के गलियारे से मानव भूगोल :

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
आरंभिक उपनिवेश युग	अन्वेषण और विवरण	साम्राज्यी और व्यापारिक रुचियों ने नए क्षेत्रों में खोजों व अन्वेषणों को प्रोत्साहित किया। क्षेत्र का विश्वज्ञानकोषिय विवरण भूगोलवेताओं द्वारा वर्णन का महत्त्वपर्ण पक्ष बना।
उत्तर उपनिवेश युग	प्रादेशिक विश्लेषण	प्रदेश के सभी पक्षों के विस्तृत वर्णन किए गए। मत यह था कि सभी प्रदेश पूर्ण अर्थात् पृथ्वी के भाग हैं, अतः इन भागों की पूरी समझ पृथ्वी पूर्ण रूप से समझने में सहायता

क्षेत्रीय विभेदन

समय अवधि	[illegible]नाम	वृहत् लक्षण
अंतर-युद्ध अवधि के बीच 1930 का दशक	क्षेत्रीय विभेदन	एक प्रदेश अन्य प्रदेशों से किस प्रकार और क्यों भिन्न है यह समझने के लिए तथा किसी प्रदेश की विलक्षणता की पहचान करने पर बल दिया जाता था।
1950 के दशक के अंत से 1960 के दशक के अंत तक	स्थानिक संगठन	कंप्यूटर और परिष्कृत सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग के लिए विशिष्ट। मानचित्र और मानवीय परिघटनाओं के विश्लेषण में प्राय:, भौतिकी के नियमों का अनुप्रयोग किया जाता था। इस प्रावस्था को विभिन्न मानवीय क्रियाओं के मानचित्र योग्य प्रतिरूपों की पहचान करना इसका मुख्य उद्देश्य था।

समय अवधि	उपागम	वृहत् लक्षण
1970 का दशक	मानवतावादी, आमूलवादी और व्यवहारवादी विचारधाराओं का उदय	मात्रात्मक क्रांति से उत्पन्न असंतुष्टि और अमानवीय रूप से भूगोल के अध्ययन के चलते मानव भूगोल में 1970 के दशक में तीन नए विचारधाराओं का जन्म हुआ। इन विचारधाराओं ने अपेक्षाकृत से मानव भूगोल सामाजिक-राजनीतिक यथार्थ के प्रति अधिक प्रासंगिक बना।

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावादी भूगोल :

- कल्याणपरक विचारधारा
- सामाजिक कल्याण से संबंधित
- आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसे पक्ष सम्मिलित



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आमूलवादी (रेडिकल) विचारधारा :

- कार्लमार्क्स के सिद्धान्तों पर आधारित
- समकालीन समस्याओं का संबंध पूँजीवाद से मानती है।

व्यवहारवादी विचारधारा :

- प्रत्यक्ष अनुभव पर बल देती है।
- मानव जातीयता, प्रजाति, धर्म इत्यादि पर आधारित संवर्गो के दिक्काल बोध पर ज्यादा जोर दिया।

समय अवधि	[illegible]	वृहत् लक्षण
1990 का दशक	भूगोल में उत्तर-आधुनिकवाद	वृहत् सामान्यीकरण तथा मानवीय दशाओं को व्याख्या करने वाले वैश्विक सिद्धांतों की प्रयोज्यता पर प्रश्न उठने लगे। अपने आप में प्रत्येक स्थानीय संदर्भ की समझ के महत्त्व पर जोर दिया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

- मानव भूगोल की प्रकृति अत्यधिक अंतर-विषयक है।
- मानव भूगोल सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करती है।
- ज्ञान के विस्तार के साथ नए उपक्षेत्रों का विकास होता है और मानव भूगोल के साथ भी ऐसा ही हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासकों से अंतरा पृष्ठ
सामाजिक भूगोल	–	सामाजिक विज्ञान – समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानवविज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
राजनीतिक भूगोल	–	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	–
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	–	जनांकिकी
आवास भूगोल	–	नगर/ग्रामीण नियोजन
अर्थिक भूगोल	–	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

कक्षा - 12

भूगोल

मानव भूगोल के मूल सिद्धान्त

अध्याय–1

मानव भूगोल

भाग - 3

अभ्यास प्रश्न

एस.एस.यादव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए :

(i) निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक भूगोल का वर्णन नहीं करता?

क. समाकलनात्मक अनुशासन

ख. मानव और पर्यावरण के बीच अंतर-संबंधों का अध्ययन।

ग. द्वैधता पर आश्रित

घ. प्रौद्योगिकी के विकास के फलस्वरूप आधुनिक समय में प्रासंगिक नहीं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q: 2

(ii) निम्नलिखित में से कौन-सा एक भौगोलिक सूचना का स्रोत नहीं है?

क. यात्रियों के विवरण

ख. प्राचीन मानचित्र

ग. चंद्रमा से चट्टानी पदार्थों के नमूने

घ. प्राचीन महाकाव्य



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(iii) निम्नलिखित में कौन-सा एक लोगों और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?

क. मानव बुद्धिमता

ख. प्रौद्योगिकी

ग. लोगों के अनुभव

घ. मानवीय भाईचारा

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा एक मानव भूगोल का उपगमन नहीं है?

क. क्षेत्रीय विभिन्नता

ख. मात्रात्मक क्रांति

ग. स्थानिक संगठन

घ. अन्वेषण और वर्णन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में दीजिए :

(i) मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए।

उत्तर : रैटजेल के अनुसार, " मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।"

इस प्रकार "मानव भूगोल वह विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत मनुष्य और उनके भौतिक वातावरण के मध्य सम्बन्धों का अध्ययन किया जाता है।"

मानव समाज व धरातल के बीच संश्लेषित सम्बन्धो का अध्ययन।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

(ii) मानव भूगोल के कुछ उप-क्षेत्रों के नाम बताइए।

उत्तर : व्यवहारवादी भूगोल, सामाजिक कल्याण का भूगोल, सांस्कृतिक भूगोल, ऐतिहासिक भूगोल, चिकित्सा भूगोल, सैन्य भूगोल, कृषि भूगोल, उद्योग भूगोल, विपणन भूगोल, पर्यटन भूगोल, तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का भूगोल आदि।

(iii) मानव भूगोल किस प्रकार अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंधित है?

उत्तर : मानव भूगोल के अन्तर्गत प्राकृतिक वातावरण के सन्दर्भ में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययन को प्रधानता दी जाती है। मानव भूगोल का उन सभी सामाजिक विज्ञानों से स्वत: सम्बन्ध हो जाता है, जो अपने अध्ययनों में मानवीय क्रियाकलापों के अध्ययनों को प्रधानता देते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

(i) मानव के प्राकृतीकरण की व्याख्या कीजिए।

उत्तर : मनुष्य अपने भौतिक पर्यावरण से अपनी प्रौद्योगिकी की सहायता से ही अन्योन्य क्रिया करता है। प्रौद्योगिकी ही किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है। मानव प्रकृति के नियमों को बेहतर ढंग से समझने के बाद ही प्रौद्योगिकी का विकास कर पाया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रकृति का ज्ञान प्रौद्योगिकी को विकसित करने के लिए महत्त्वपूर्ण है तथा प्रौद्योगिकी मनुष्य पर पर्यावरण की बंदिशों को कम करती है।



(ii) मानव भूगोल के विषय क्षेत्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

उत्तर : मानव भूगोल, मानव जीवन के सभी तत्वों तथा अंतराल, जिसके अन्तर्गत वे घटित होते हैं, के मध्य सम्बन्ध की व्याख्या करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार मानव भूगोल की प्रकति अत्यधिक अंतर-विषयक है। पृथ्वी तल पर पाये जाने वाले मानवीय तत्वों को समझने व उनकी सहयोगी विषयों के साथ घनिष्ठ अंतरापृष्ठ विकसित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव भूगोल के क्षेत्र एवं उपक्षेत्र :

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनुशासकों से अंतरा पृष्ठ
सामाजिक भूगोल	–	सामाजिक विज्ञान – समाजशास्त्र
	व्यवहारवादी भूगोल	मनोविज्ञान
	सामाजिक कल्याण का भूगोल	कल्याण अर्थशास्त्र
	अवकाश का भूगोल	समाजशास्त्र
	सांस्कृतिक भूगोल	मानवविज्ञान
	लिंग भूगोल	समाजशास्त्र, मानवविज्ञान, महिला अध्ययन
	ऐतिहासिक भूगोल	इतिहास
	चिकित्सा भूगोल	महामारी विज्ञान

मानव भूगोल के क्षेत्र	उपक्षेत्र	सामाजिक विज्ञानों के सहयोगी अनशासकों से अंतरा पृष्ठ
राजनीतिक भूगोल	–	राजनीति विज्ञान
	निर्वाचन भूगोल	–
	सैन्य भूगोल	सैन्य विज्ञान
जनसंख्या भूगोल	–	जनांकिकी
आवास भूगोल	–	नगर/ग्रामीण नियोजन
अर्थिक भूगोल	–	अर्थशास्त्र
	संसाधन भूगोल	संसाधन अर्थशास्त्र
	कृषि भूगोल	कृषि विज्ञान
	उद्योग भूगोल	औद्योगिक अर्थशास्त्र
	विपणन भूगोल	व्यवसायिक अर्थशास्त्र, वाणिज्य
	पर्यटन भूगोल	पर्यटन और यात्रा प्रबंधन
	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निम्नलिखित प्रमख तथ्यों को मानव भूगोल के अध्ययन क्षेत्र में शामिल किया जाता है–

(i) मानव भूगोल का अर्थ, उद्देश्य, अध्ययन क्षेत्र, सिद्धान्त, अध्ययन उपागम एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।

(ii) प्राकृतिक वातावरण के विभिन्न तत्वों का अध्ययन तथा मानव क्रियाकलापों पर इन तत्वों का प्रभाव आदि।

(iii) जनसंख्या घनत्व, वितरण, वृद्धि, संरचना एवं समस्याएँ आदि।

(iv) जनसंख्या घनत्व, वितरण वृद्धि, संरचना एवं समस्याएँ आदि।

(v) मानव अधिवास—ग्रामीण व नगरीय अधिवास प्रतिरूप, प्रकार, परिवहन के साधन आदि।

(vi) मानव की अर्थव्यवस्थाएँ—ऐतिहासिक विकास, प्रकार एवं विश्व वितरण आदि।